संख्या : 923/सत्तर–3–2020–8(23)/2020

प्रेषक,

मोनिका एस0 गर्ग,
प्रमुख सचिव
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

1. निदेशक,
उच्च शिक्षा,
उ0प्र0, प्रयागराज।

2. कुलसचिव,
समस्त राज्य विश्वविद्यालय,
उ0प्र0।

उच्च शिक्षा अनुभाग–3

लखनऊ : दिनांक 20 अप्रैल, 2020

विषय : कोविड–19 महामारी में लाकडाउन के दौरान पठन–पाठन के उद्देश्य से दूरदर्शन के माध्यम से शैक्षिक क्रियाकलापों एवं भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये ई–कन्टेन्ट्स के उपयोग के सम्बन्ध में।

महोदय,

उत्तर प्रदेश राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में लाकडाउन के समय शैक्षिक गतिविधियों को सुगम बनाये रखने तथा शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखने हेतु निम्नलिखित सुविधायें छात्रों/शिक्षकों को उपलब्ध कराये जाने/उन्हें जागरूक करने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें:–

1. दूरदर्शन एवं इग्नू द्वारा शुरू किये गये चार ज्ञान दर्शन शैक्षिक चैनल ज्ञान दर्शन एजुकेशनल टीवी चैनल नोडल एजेंसी के रूप में इग्नू के साथ सूचना और प्रसारण मंत्रालय (प्रसार), प्रसार भारती और इसरो के सहयोग से एम.एच.आर.डी. की एक शैक्षिक मीडिया उपलब्ध हैं। इसमें चार निःशुल्क टीवी चैनल हैं, जैसे GD-I, II (IGNOU **द्वारा)** GD-III, एकलावा (IIT, Delhi द्वारा) GD-IV- व्यास चैनल (UGC, CEC द्वारा)। इन कार्यक्रमों के विषय में विस्तृत जानकारी http://www.ignouonline.ac.in/gyandarshan/ लिंक पर उपलब्ध है।
2. SWAYAM PRABHA 32 DTH निःशुल्क चैनलों का एक समूह है जो GSAT-15 उपग्रह का उपयोग करके 24X7 आधार पर उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण हर दिन, कम से कम 4 घंटों के लिए नई सामग्री जो एक दिन में 5 बार दोहराई जाती, जिससे छात्रों को अपनी सुविधा के समय का चयन करने की सुविधा मिलती है। इन निःशुल्क चैनलों पर एनपीटीईएल, आईआईटी, यूजीसी, सीईसी, इग्नू, एनसीईआरटी और एनआईओएस द्वारा शिक्षण सामग्री प्रदान की जाती है।
3. SWAYAM भारत का अपना MOOCs मंच है, जो इंजीनियरिंग, कानून, प्रबंधन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे सभी विषयों पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह शिक्षा नीति, अभिगम, इक्विटी और गुणवत्ता के तीन तार्किक सिद्धांतों को प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया गया है। SWAYAM एक स्वदेशी रूप से विकसित क्लाउड आधारित IT प्लेटफॉर्म है जो सभी पाठ्यक्रमों को अपलोड करने की सुविधा प्रदान करता है, 9वीं कक्षा से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक की कक्षाओं में पढ़ाया जाता है ताकि किसी को भी, किसी भी समय, किसी भी जगह मुफ्त में पहुँचाया जा सके। सभी पाठ्यक्रम इंटरैक्टिव हैं, जो देश में प्रतिष्ठित शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए हैं और कंप्यूटर / मोबाइल फोन के माध्यम से सुलभ हैं।
4. वर्चुअल लैब्स प्रयोग किए गए ज्ञान को समझने के लिए, प्रयोगों को करने, डेटा एकत्र करने और सवालों के जवाब देने के लिए एक पूरी तरह से इंटरैक्टिव सिमुलेशन वातावरण प्रदान करता है।

वर्चुअल लैब का उद्देश्य महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को प्राप्त करने के लिए, दुनिया के वातावरण और समस्या से निपटने की क्षमता बनाने तथा अत्याधुनिक कंप्यूटर सिमुलेशन तकनीक के साथ आभासी प्रयोगशालाओं को विकसित करना है। आई.आई.टी. दिल्ली, 10 अन्य संस्थानों के साथ नोडल संस्थान के रूप में वर्चुअल लैब के प्रयोग को कोआर्डिनेट कर रहा है।

5. नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (एनडीएल इंडिया) एकल–खिड़की खोज सुविधा के साथ सीखने के संसाधनों का भंडार है।
6. ई–यन्त्र भारत के इंजीनियरिंग कॉलेजों में एम्बेडेड सिस्टम और रोबोटिक्स पर प्रभावी शिक्षा को सक्षम बनाता है। शिक्षकों और छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से प्रदान किया जाता है जहां प्रतिभागियों को एम्बेडेड सिस्टम और प्रोग्रामिंग की मूल बातें सिखाई जाती हैं। प्रतियोगिता–घटना के माध्यम से रोबोट के साथ हाथों पर प्रयोगों में शिक्षकों और छात्रों की व्यस्तता आउट–ऑफ–द–बॉक्स समाधान के साथ समस्या–समाधान का एक और अभिनव तरीका है। ई–यन्त्र कॉलेजों को रोबोटिक्स लैब/क्लबों की स्थापना में मदद करता है ताकि वे इसे अपने नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बना सकें। इस पहल से पूरे भारत के 275 से अधिक विश्वविद्यालय एवं कॉलेज लाभान्वित हुए हैं। सभी परियोजनाएं और कोड ओपेन सोर्स सामग्री के रूप में ई–यन्त्र वेब–साइट www.e-yantra.org पर उपलब्ध हैं।
7. FOSSEE शैक्षिक संस्थानों में ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर के उपयोग को बढ़ावा देता है। वेब लिंक http://fossee-in पर उपलब्ध यह शिक्षण सामग्री, जैसे कि स्पोकन ट्यूटोरियल, डॉक्यूमेंटेशन, टेक्स्टबुक साथी, जागरूकता कार्यक्रम, जैसे कॉन्फ्रेंस, ट्रेनिंग वर्कशॉप और इंटर्नशिप के माध्यम से करता है। टी.बी.सी. को मानक पाठ्यपुस्तकों के हल किए गए उदाहरणों के कोड के एक संग्रह के रूप में विकसित किया गया है।

उपरोक्त वर्णित शैक्षिक चैनलों/कार्यक्रमों आदि के सम्बन्ध में विस्तृत विवरणिका/विवरण संलग्न करते हुये इस अनुरोध के साथ प्रेषित है कि विश्वविद्यालय तथा सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्रों को इसकी जानकारी उपलब्ध कराते हुए अनुपालन सुनिश्चित किया जाये ताकि लॉकडाउन अवधि में शैक्षिक गतिविधियों को सुगम बनाया जा सके।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीय,

(मोनिका एस. गर्ग)
प्रमुख सचिव

संख्या : 923(1) /सत्तर–3–2020–तद्दिनांक

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– कुलपति, राज्य विश्वविद्यालय, उ0प्र0/निजी विश्वविद्यालय, उ0प्र0।
2– विशेष सचिव (श्री अब्दुल समद/श्री मनोज कुमार), उच्च शिक्षा विभाग।
3– समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उत्तर प्रदेश को इस निर्देश के साथ कि समस्त महाविद्यालयों को उक्त की जानकारी उपलब्ध करा दें।

आज्ञा से,

(मनोज कुमार)
विशेष सचिव